Toppersnotes
Unleash the topper in you

मध्य प्रदेश

सहायक वर्ग-3, स्टेनो टाइपिस्ट एवं शीघ्रलेखक

समूह - 4

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (MPESB)

भाग – 1

भारत का सामान्य ज्ञान एवं कंप्यूटर

SIERRA INNOVATIONS

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	भारत का भूगोल	
1.	भारत की स्थिति और विस्तार	**1**
2.	भारत के भौगोलिक प्रदेश	**4**
3.	भारत का अपवाह तंत्र	**20**
4.	भारत की जलवायु	**28**
5.	जैव विविधता संरक्षण	**34**
6.	प्रमुख फसलें और फसल पैटर्न	**39**
7.	भारत के खनिज संसाधन	**46**
8.	ऊर्जा संसाधन	**53**
9.	भारत के प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक क्षेत्र	**62**
10.	परिवहन	**66**
11.	विश्व भूगोल के महत्वपूर्ण तथ्य	**70**
	भारत का इतिहास	
1.	प्राचीन इतिहास	**78**
2.	मध्यकालीन भारत	**96**
3.	आधुनिक भारत का इतिहास	**111**
	भारतीय संविधान	
1.	भारतीय संविधान का ऐतिहासिक आधार	**142**
2.	संविधान सभा	**144**
3.	प्रस्तावना	**145**
4.	संविधान की विशेषताएँ	**146**
5.	मौलिक अधिकार	**148**
6.	राज्य के नीति-निदेशक तत्व	**151**
7.	मूल कर्तव्य	**152**
8.	संघवाद	**153**

9.	संघ सरकार (राष्ट्रपति)	**155**
10.	उपराष्ट्रपति	**159**
11.	महान्यायवादी	**160**
12.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्	**161**
13.	संसद	**163**
14.	उच्चतम न्यायालय	**168**
15.	राज्य सरकार	**172**
16.	मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद्	**175**
17.	उच्च न्यायालय	**175**
18.	पंचायती राज	**178**
19.	जिला परिषद्	**180**
20.	शहरी स्थानीय-स्वशासन	**181**
21.	चुनाव आयोग	**182**
22.	संघ लोक सेवा आयोग	**183**
23.	केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण	**183**
24.	नियंत्रक व महालेखा परीक्षक	**183**
25.	C.B.I	**184**
26.	केन्द्रीय सतर्कता आयोग	**184**
27.	लोकायुक्त	**185**
28.	लोकपाल	**185**
29.	राष्ट्रीय आय	**187**
30.	भारत में योजनाएँ	**195**
31.	पुरस्कार और सम्मान	**201**
32.	मेले एवं त्यौहार	**205**
33.	नृत्य	**210**

कंप्यूटर		
1.	कंप्यूटर का परिचय	217
2.	कंप्यूटर की कार्यप्रणाली, इनपुट, आउटपुट एवं भण्डारण	220
3.	कंप्यूटर प्रणाली बाइनरी, डेसीमल आस्की कोड व यूनिकोड	224
4.	कंप्यूटर का संगठन	227
5.	कंप्यूटर की भाषा	230
6.	कंप्यूटर सॉफ्टवेर	232
7.	ऑपरेटिंग सिस्टम	233
8.	मैक्रोसोफ्ट, विण्डोस, उसके विभिन्न वर्जन व उसके मुलभुत अवयक	234
9.	वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेर	235
10.	माइक्रोसॉफ्ट पॉवर पॉइंट	237
11.	माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल स्प्रेडशीट सॉफ्टवेर	239
12.	इन्टरनेट	245
13.	कंप्यूटर नेटवर्किंग	248
14.	नेटवर्क टोपोलॉजी	250
15.	वेबसाइट	252
16.	डेटाबेस	254
17.	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी	259
18.	सोशल नेटवर्किंग साईट	271
19.	कंप्यूटर संक्षिप्ताक्षर (Abbreviations)	274

भारत की स्थिति और विस्तार

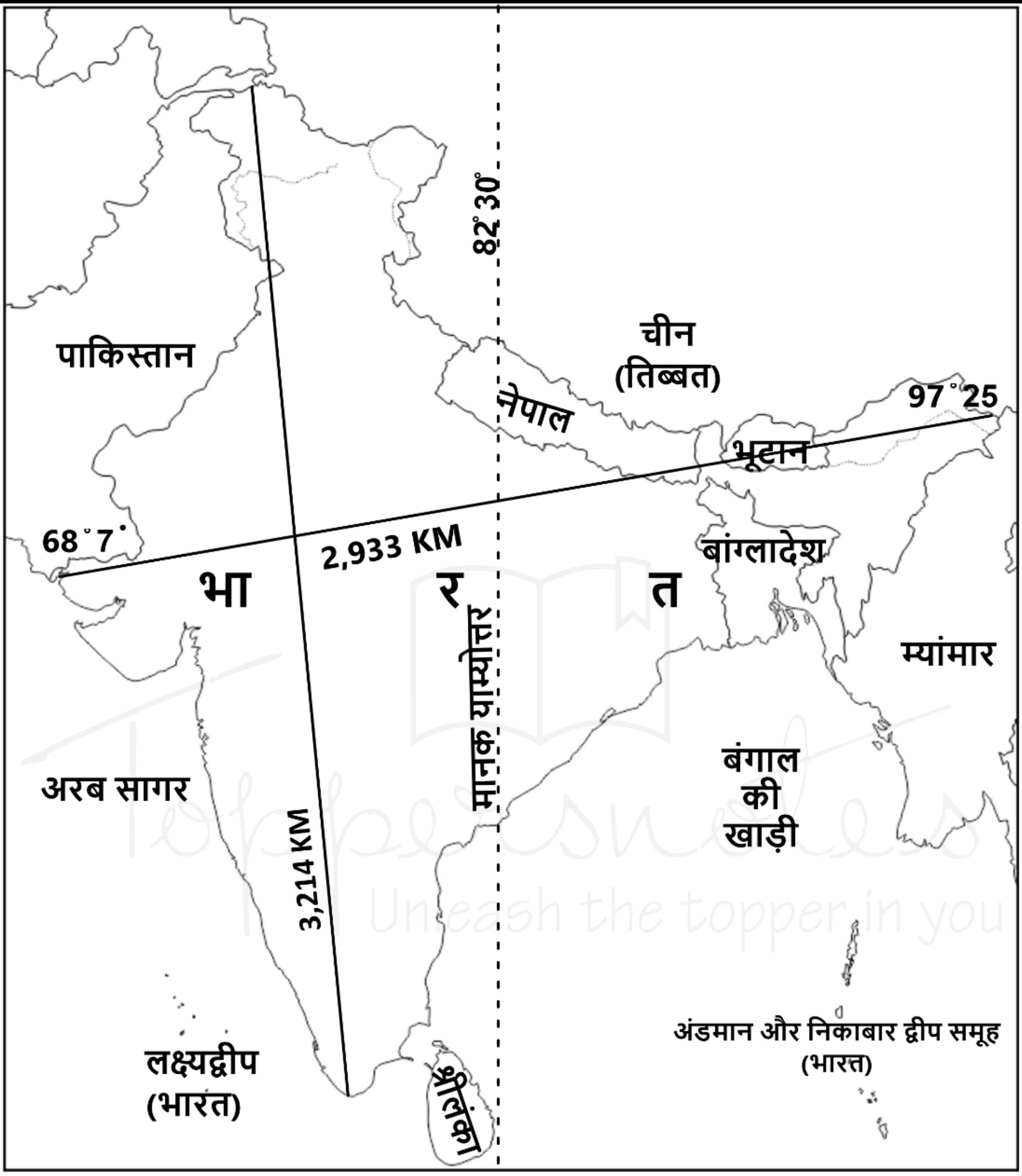

- **उत्तरी गोलार्ध** में स्थिति (**8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर अक्षांश ; पूर्व 68°7 से पूर्वी देशांतर 97°25)**
- **सीमाएं :**
  - **उत्तर:** महान हिमालय
  - **पश्चिम:** अरब सागर
  - **पूर्व**: बंगाल की खाड़ी
  - **दक्षिण:** हिंद महासागर।
- विश्व का **7वां सबसे बड़ा देश।**
- **सबसे उत्तरी बिंदु :** इंदिरा कोल
- **सबसे दक्षिणी बिंदु:** अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में इंदिरा पॉइंट।
- **सबसे पूर्वी बिंदु:** अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में किबिथू के पास
- **पश्चिमीतम बिंदु:** कच्छ में सर क्रीक, गुजरात में "गौहर माता" के पास।
- **लंबाई:** 3214 किमी
- **चौड़ाई:** 2933 किमी (अनुदैर्ध्य अंतर: 300 या 2 घंटे)
- **क्षेत्रफल:** 32,87,263 वर्ग किमी (दुनिया का 2.42%)
- **जनसंख्या:** विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश (विश्व की जनसंख्या का 17.5%)
- **कुल भूमि सीमा** = 15,200 किमी।

- **कुल समुद्री सीमा** = 7516.5 किमी (बिना द्वीपों के 6100 किमी)

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	**रूस**	**चीन**
द्वितीय	**कनाडा**	**भारत**
तृतीय	**चीन**	**यू.एस.ए**
चतुर्थ	**यू. एस. ए.**	**इंडोनेशिया**
पंचम	**ब्राजील**	**पाकिस्ताान**
शश्ठ	**ऑस्ट्रेलिया**	**नाईजीरिया**
सप्तम	**भारत**	**ब्राजील**
अश्टम	**अर्जेनटीना**	**बांग्लादेष**

भारत के पाँच षीर्श क्षेत्रफल वाले राज्य

क्र.सं.	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	राजस्थान	3,42,239
2.	मध्यप्रदेश	3,08,252
3.	महाराष्ट्र	3,07,713
4.	उत्तरप्रदेश	2,40,928
5.	गुजरात	1,96,024

भारत के शीर्ष क्षेत्रफल वाले 5 जिले

क्र.सं.	जिला	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	कच्छ	गुजरात	45,674
2.	लेह	लद्दाख	45,110
3.	जैसलमेर	राजस्थान	38,401
4.	बिकानेर	राजस्थान	30,247
5.	बाडमेर	राजस्थान	28,387

- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है । उत्तर प्रदेश कुल 8 राज्य एवं 1 केन्द्र शासित प्रदेश से सीमा बनाता है ।
  - उत्तराखण्ड
  - हरियाणा
  - दिल्ली (केन्द्र शासित प्रदेश)
  - हिमाचल प्रदेश
  - राजस्थान
  - मध्य प्रदेश
  - छत्तीसगढ़
  - झारखण्ड
  - बिहार
- भारत के कुल 9 राज्य एवं – केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए हैं।

राज्य
  - गुजरात
  - महाराष्ट्र
  - गोवा
  - कर्नाटक
  - केरल
  - तमिलनाडु
  - आंध्र प्रदेश
  - उड़ीसा
  - पष्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश
  - लक्षद्वीप
  - अण्डमान निकोबार
  - दमन और दीव
  - पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)
- हिमालय को छूने वाले 9 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश हैं ।

राज्य
  - हिमाचल प्रदेश
  - उत्तराखण्ड
  - सिक्किम
  - अरुणाचल प्रदेश
  - नागालैंड
  - मणिपुर
  - मिजोरम
  - त्रिपुरा
  - मेघालय
  - असम
  - पश्चिम बंगाल

केंद्र शासित प्रदेश
  - जम्मू कश्मीर
  - लेह
- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है ।

राज्य
  - गुजरात
  - राजस्थान
  - मध्य प्रदेश
  - छत्तीसगढ़
  - झारखण्ड
  - पश्चिम बंगाल
  - त्रिपुरा
  - मिजोरम
- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है ।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है ।
- भारत का मासिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है ।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है ।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है ।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है ।

- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी श्रीलंका को भारत से अलग करती है । पाक जलमडरूमध्य को पाक जल संधि के नाम से भी जाना जाता है ।
- मेकमोहन रेखा भारत और तिब्बत के बीच में स्थित है । यह रेखा 1914 में शिमला समझौते में निर्धारित की गयी थी ।
- डूरण्ड रेखा 1893 में सर डूरण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूरण्ड रेखा स्थापित की गई थी । परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है ।
- भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है । रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रैडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था ।

1. सीमावर्ती सागर –
   - सीमावर्ती सागर **क्षेत्र आधार रेखा से** 12दउ **तक स्थित है ।**
   - **क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है ।**
2. संलग्न सागर –
   - संलग्न सागर क्षेत्र आधार रेखा से 24दउ तक स्थित है ।
   - इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार है ।
3. अनन्य आर्थिक क्षेत्र –
   - अनन्य आर्थिक **क्षेत्र आधार रेखा से 200दउ तक स्थित है ।**
   - इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार है तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है ।
4. उच्च सागर
   - यहाँ सभी देषों का समान अधिकार होता है ।

सीमावर्ती देश

- **उत्तर-पश्चिम:** अफगानिस्तान और पाकिस्तान
  - भारत-पाकिस्तान सीमा: **रेडक्लिफ रेखा**
  - पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा: **डूरंड रेखा।**
- **उत्तर**: चीन, भूटान और नेपाल
  - भारत-चीन सीमा: **मैकमोहन रेखा।**
- **पूर्व**: म्यांमार, बांग्लादेश (भारत की बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी सीमा है)
- **दक्षिण**: पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी के माध्यम से श्री लंका से अलग।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले राज्य

- **बांग्लादेश**: कुल सीमा = 4096 किमी
  - **5 राज्य:** पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम
- **चीन**: कुल सीमा = 3488 किमी
  - **3 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम और लद्दाख
- **पाकिस्तान** : कुल सीमा = 3323 किमी
  - **4 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: जम्मू और कश्मीर, पंजाब, गुजरात, राजस्थान और लद्दाख
- **नेपाल**: कुल सीमा = 1751 किमी
  - **5 राज्य**: उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल
- **म्यांमार**: कुल सीमा = 1643 किमी
  - **4 राज्य**: अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड
- **भूटान**: कुल सीमा = 699 किमी
  - **4 राज्य:** अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल
- **अफगानिस्तान**: कुल सीमा = 106 किमी
  - **1 केंद्र शासित प्रदेश**: लद्दाख

भारतीय मानक मध्याह्न रेखा:

- **भारत की मानक रेखा 82°30'E देशांतर** है जो उत्तर प्रदेश के **मिर्जापुर से होकर गुजरती है ।**
- **इस** पर भारत का मानक समय आधारित है जो **ग्रीनविच मानक समय रेखा से 5 घंटे 30 मिनट आगे है ।**
- **कर्क रेखा** - (23°30’N) गुजरात , राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल , मिजोरम, और त्रिपुरा से गुज़रती है ।

Unleash the topper in you

भारत के भौगोलिक प्रदेश

भौतिक विशेषताओं के आधार पर भारत को 6 भौगोलिक भागों में बांटा गया है –

1. उत्तर एवं उत्तरी-पूर्वी पर्वतीय प्रदेश
2. उत्तर का विशाल मैदान
3. तटीय प्रदेश
4. प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश
5. मरुस्थल प्रदेश
6. द्वीप समूह

उत्तर एवं उत्तरी-पूर्वी पर्वतीय प्रदेश

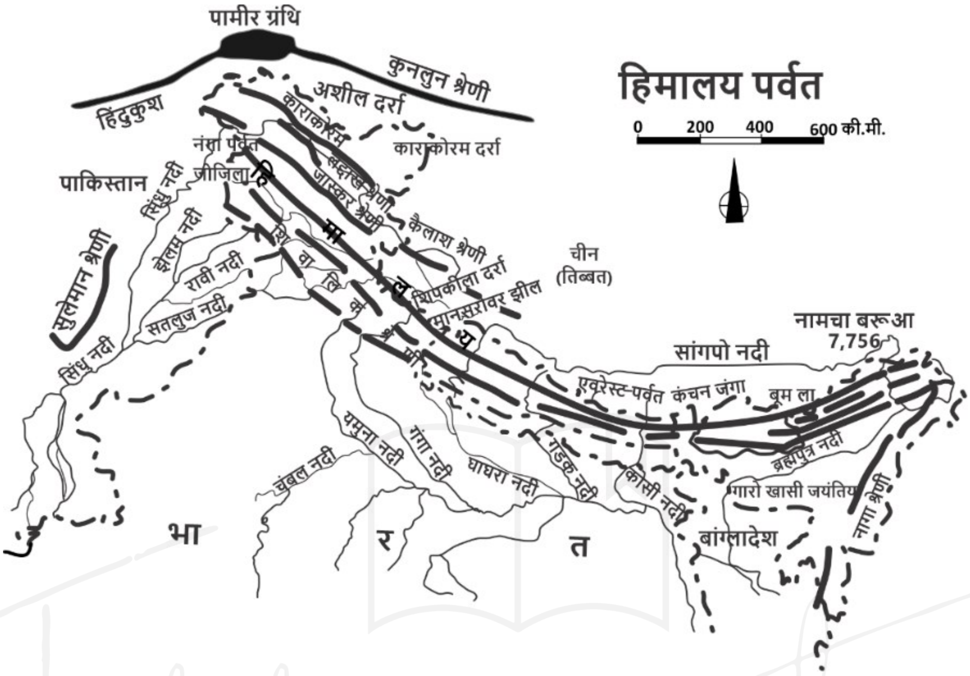

हिमालय पर्वत

- हिमालय विश्व की **सर्वाधिक ऊंची** एवं **युवा** (नवीन) **वलित पर्वत** श्रृंखला हैं।
- भूगर्भीय रूप से, हिमालय युवा, अदृढ़ एवं लचीला है क्योंकि इसका **उत्थान** एक **सतत प्रक्रिया** है।
- यह विशेषता इसे **विश्व के सर्वाधिक भूकंप संभावित क्षेत्रों में से एक** बनाती है
- **लम्बाई** :- हिमालय की लम्बाई पूर्व से पश्चिम दिशा में लगभग 2500 किमी है
- **पश्चिमी छोर** :- नंगा पर्वत (सिंधु नदी के सबसे उत्तरी मोड़ के दक्षिण में स्थित है।)
- **पूर्वी छोर**:- नमचा बरवा (यरलुंग, त्संगपो नदी के मोड़ के पश्चिम में स्थित है)
- **चौड़ाई**: 400 किमी -150 किमी (पश्चिम -पूर्व) ।
- हिमालय की **आकृति** चापाकार अथवा **धनुषाकार** है | हिमालय का **क्षेत्रफल** लगभग **5,00,000 वर्ग किमी.** है |
- हिमालय अपने **पूर्वी** छोर एवं **पश्चिमी छोर पर दक्षिणवर्ती मोड़** दर्शाता है |

भौतिक विशेषताएँ

- बहुत **ऊंचे**, **खड़ी ढलान** वाली **दांतेदार चोटियाँ**, **घाटियाँ** और वृहद् **हिमनद।**
- **अपरदन** द्वारा कटी हुई **स्थलाकृति** मिलती है ,विशाल नदी घाटियाँ, जटिल भूगर्भिक संरचना और उत्कृष्ट श्रृंखलाएं पाई जाती हैं।
- हिमालय का **बड़ा भाग हिमरेखा के नीचे** आता हैं।
- **पर्वत निर्माण** प्रक्रिया अभी भी **सक्रिय** हैं।
- यह अत्यधिक मात्रा में **क्षरण** और **भूस्खलन** होते है।

हिमालय पर्वतीय श्रृंखला का विभाजन

उत्तर - दक्षिण हिमालय

1. **ट्रांस - हिमालय**
   - इसका अधिकांश भाग तिब्बत में होने के कारण इसे **तिब्बत हिमालय** भी कहते हैं।
   - ट्रांस हिमालय के अन्तर्गत भारत में **काराकोरम**, **लद्दाख** और **जास्कर** पर्वत श्रेणियाँ **अवस्थित** हैं।
   - **स्थिति** :- महान हिमालय के उत्तर में पाया जाता हैं।
   - हिमालय से बहुत पहले **जुरासिक और क्रेटेशियस काल** के बीच में इसका **उत्थान** हुआ।
   - भौगोलिक रूप से यह **हिमालय का भाग नहीं** हैं।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

- **पामीर** से शुरू होता हैं।
- **गॉडविन ऑस्टेन/काराकोरम** (K2) (8,611 m) - विश्व की दूसरी सबसे ऊंची चोटी तथा भारतीय संघ की सबसे ऊंची चोटी काराकोरम श्रृंखला में हैं।
- **लम्बाई** -पूर्व - पश्चिम दिशा में 1000 km का विस्तार।
- औसत **ऊँचाई** -समुद्र तल से 5000m की ऊँचाई पर स्थित।
- औसत **चौड़ाई** - 40km - 225km
- **सियाचिन ग्लेशियर** - विह्स्व की सबसे ऊंची युद्ध भूमि
- **बाल्टारो ग्लेशियर** - काराकोरम श्रृंखला में सबसे बड़ा ग्लेशियर ।
- **काराकोरम दर्रा** -5000m की औसत ऊंचाई पर स्थित; जम्मू कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में हिमालय के कराकोरम श्रेणियों के मध्य स्थित है।
- **मुख्य श्रृंखलाएं**
  - **<u>काराकोरम श्रेणी</u>**
    - भारत में **ट्रांस हिमालय** की **सबसे उत्तरी श्रेणी** हैं।
    - **कृष्णागिरी श्रेणी** भी कहा जाता हैं।
    - पामीर से पूर्व में लगभग **800km तक फैला** हैं।
    - **औसत ऊंचाई** ;- 5 ,500m या इसे अधिक
  - **<u>लद्दाख श्रेणी</u>**
    - **ज़ास्कर** श्रेणी के **उत्तर** में **स्थित** हैं।
    - **उच्चतम बिंदु** -राकापोश - विश्व की सबसे तीव्रतम ढलान वाली चोटी
    - लेह के उत्तर में स्थित।
    - तिब्बत में **कैलाश श्रेणी** में मिल जाती हैं।
    - महत्पूर्ण **दर्रे** - खारदुंगला , और दीगर ला
  - **<u>ज़ास्कर श्रेणी</u>**
    - केंद्र शासित प्रदेश **लद्दाख में** स्थित ।
    - **ज़ास्कर** को **लद्दाख** से **अलग** करती हैं।
    - औसत **ऊंचाई** - लगभग 6 ,000m
    - लद्दाख और जास्कर को मानसून से बचाने के लिए एक **जलवायु बाधा** के रूप में कार्य करता हैं - गर्मियों में गर्म और शुष्क जलवायु।
    - **प्रमुख दर्रे** - मार्बल दर्रा, ज़ोजिला दर्रा|
    - **प्रमुख नदियाँ**- हानले नदी, खुराना नदी, ज़ास्कर नदी, सुरु नदी (सिंधु) और शिंगो नदी ।
  - **<u>कैलाश श्रेणी</u>**
    - लद्दाख शृंखला की **उपशाखा।**
    - सबसे **ऊँची छोटी** - कैलाश पर्वत (6714m)
    - **सिंधु नदी** का **उद्गम** कैलाश श्रेणी के उत्तरी ढलानों से होता हैं।

2. **वृहद हिमालय**
   - इन श्रेणियों को **आंतरिक हिमालय** अथवा **हिमाद्री** भी कहते हैं।
   - इसकी औसत **चौड़ाई** 25Km तथा औसत **ऊँचाई** 6100m है।
   - हिमालय की लगभग सभी **ऊँची चोटियों** जैसे माउंट एवरेस्ट, कंचनजंगा, नंगा पर्वत इसी भाग में स्थित है जिनका निर्माण पूर्ववर्ती नदियों द्वारा किया गया है, अन्यथा हिमालय पर्वतीय प्रणाली में यह **सबसे अधिक नियमित** (continuous) पर्वत श्रेणी है।
   - **विस्तार** - नामचा बरवा पर्वत से नंगा पर्वत (2400km)- दुनिया में सबसे लम्बी पर्वत श्रेणियों में से एक।
   - **नंगा पर्वत** - उत्तर-पश्चिम
   - **नामचा बरवा** - उत्तर-पूर्व।
   - कायांतरित और अवसादी चट्टानों से बने।
   - **अन्तर्भाग**- महास्कंध (Batholith) में मेग्मा (ग्रेनाइटिक मेग्मा) अतिक्रमण करता हैं
   - उच्च संपीडन के कारण **विषम सिलवटें** हैं और उनके **पूर्वी भाग में खंडित चट्टानें** हैं।
   - विश्व की 28 सबसे **ऊँची चोटियों** (> 8000m) में से **14** यहाँ **स्थित** हैं।
   - **प्रमुख दर्रे-** ज़ोजिला दर्रा (श्रीनगर को लेह से जोड़ता हैं), शिपकी ला, बुर्जिल दर्रा, नाथू ला दर्रा आदि।
   - **प्रमुख हिमनद ;**- रोंगबुक हिमनद, (सबसे बड़ी हिमाद्रि), गंगोत्री, ज़ेमू आदि।
   - लघु हिमालय से **दून** नामक तलछट से भरी **अनुदैर्ध्य घाटियों** द्वारा अलग।
     - **जैसे** ;- पाटली दून, चौखम्बा दून, देहरादून
3. **मध्य / लघु हिमालय/ हिमाचल हिमालय**
   - दक्षिण में **शिवालिक** और उत्तर में **वृहद हिमालय** के **मध्य** स्थित।
   - अत्यधिक **संकुचित** और **परिवर्तित चट्टानों** से बना हैं।
   - औसत **ऊंचाई** :- 1300-1500 m
   - औसत **चौड़ाई** :- 50 से 80 Km तक
   - **<u>पीर पंजाल श्रेणी</u> -** सबसे लम्बी
     - **झेलम** - ऊपरी ब्यास नदी से शुरू हो कर 300 km से अधिक तक फैली हुई हैं।
     - 5000 m तक ऊंची है और इसमें ज्यादातर **ज्वालामुखी चट्टानें** हैं।
     - **दर्रे**:- पीरपंजाल दर्रा (3,480m), बनिहाल दर्रा (4,270m), गुलाबगढ़ दर्रा (3,812 m) और बनिहाल दर्रा (2,835 m)।
     - **नदी** :- किशनगंगा , झेलम और चेनाब ।
     - **सबसे महत्वपूर्ण श्रेणी -** धौलाधर और महाभारत श्रेणी।

- **कश्मीर** की प्रसिद्ध घाटी , **हिमाचल प्रदेश** में **काँगड़ा** और **कुल्लू** घाटी शामिल हैं।
    - ✓ पहाड़ी क्षेत्रो के लिए जाना जाता हैं।
  - **झेलम** और **चिनाब नदी** द्वारा अपरदन ।
- **धौलाधर श्रेणी**
  - हिमाचल प्रदेश के **पीरपंजाल में विस्तार** - और **रावी नदी** के **द्वारा** इस श्रृंखला को **काटा** जाता हैं।
- **मसूरी श्रेणी**
  - **सतलुज** और **गंगा नदी** को **अलग** करती हैं।
  - दक्षिण ढलान खड़ी और वनस्पति रहित (मिट्टी के निर्माण को रोकता) और उत्तरी ढलान अधिक मंद और जंगल से ढकी हैं।

4. उप हिमालय / शिवालिक

- इन श्रेणियों को **बाह्य हिमालय** भी कहते हैं।
- औसत **चौड़ाई**: हिमाचल प्रदेश में 50Km से अरुणाचल प्रदेश में 15Km तक
- औसत **ऊँचाई** - 900m से 1500m
- **महान मैदान** और **लघु हिमालय** के **बीच** स्थित हैं।
- **लम्बाई** -2 400km -पोठोहार /पोठवार पठार से ब्रह्मपुत्र घाटी तक ।
- दक्षिणी ढलान -खड़ी
- उत्तरी ढलान -मंद
- 80-90 किमी (तिस्ता और रैदक नदी की घाटी) को छोड़कर **लगभग अखंड** ।
- **उत्तर** - पूर्वी भारत से लेकर नेपाल तक घने जंगलों से आच्छादित।
- पंजाब और हिमाचल प्रदेश के दक्षिणी ढलान **लगभग जंगल विहीन** हैं।
- **घाटियाँ**- अभिनति और पहाड़ियों - अपनति का हिस्सा हैं।

  चोस:- पंजाब में शिवालिक पहाड़ियों से जुड़े हुए मैदान ऊपरी भाग में स्थित नदियों का जाल।

विभिन्न नाम

क्षेत्र	शिवालिक के नाम
जम्मू क्षेत्र	जम्मू पहाड़ी
डाफला, मिरि, अबोर और मिश्मी पहाड़ी	अरुणाचल प्रदेश
ढांग श्रृंखला और डुंडवा श्रृंखला	उत्तराखंड
चुरिया घाट पहाड़ी	नेपाल

A. पश्चिम-पूर्वी हिमालय (नदी के आधार पर)

नदी घाटियों के आधार पर सर सिडनी बर्रार्ड द्वारा विभाजित

(i) कश्मीर/पंजाब/हिमाचल हिमालय

- **सिंधु** और **सतलुज** नदी के **बीच** स्थित।
- **लम्बाई** ;-560 km
- **चौड़ाई** :-320 km
- **ज़ास्कर** श्रेणी:- उत्तरी सीमा
- **शिवालिक** श्रेणी:- दक्षिणी सीमा
- **कटक** और **घाटी स्थलाकृति** इसकी विशेषता हैं
- प्रमुख गोखुर झील :- वुलर झील , डल झील
- **"वेल ऑफ कश्मीर"** ("Vale of Kashmir") भी कहते हैं।
- गर्मियों में **100cm वर्षा** होती हैं और **सर्दियों में बर्फ़बारी** होती हैं ।
- कश्मीर का एक मात्र **प्रवेश द्वार** - बनिहाल दर्रा - जवाहर सुरंग (भारत की दूसरी सबसे बड़ी सुरंग)
- **प्रमुख दर्रा** :- बुर्जिल दर्रा, ज़ोजिला दर्रा |

(ii) कुमाऊं हिमालय

- **सतलुज** और **काली महाखड्ड** (गोर्ज) के **बीच** में स्थित।
- **लम्बाई** -320km
- **प्रमुख पर्वत श्रृंखला** :- नागटिब्बा, धौलाधर, मसूरी, वृहद हिमालय के अन्य भाग।
- **प्रमुख चोटी**-नंदादेवी कामठ, बद्रीनाथ, केदारनाथ,
- **प्रमुख नदिया** - गंगा, यमुना, पिंडारी,
- **विशेषता** -
  - सर्दियों में बर्फ गिरना।
  - शंकुधारी वन -3200m के ऊपर ,देवदार वन -1600 -3200m के बीच में पाए जाते हैं।
  - विवर्तनिक घाटियाँ -कुल्लू, मनाली , और काँगड़ा .
  - भूकंप और भूस्खलन की अधिक संभावना

(iii) नेपाल / मध्य हिमालय

- **लम्बाई** - 800km
- पश्चिम में **काली** और पूर्व में **तीस्ता नदी** के **बीच** स्थित हैं।
- महान/वृहद हिमालय की इस भाग में **ऊंचाई सर्वाधिक** होती हैं।
- **प्रमुख चोटिया** - माउंट एवेरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू, अन्नपूर्णा, गोसाईनाथ और धौलागिरी ।
- **प्रमुख नदी** - घाघरा , गंडक , कोसी
- **प्रमुख घाटी** - काठमांडू और पोखर झील घाटी ।

> **हिमालय पर्वत की चोटियाँ पश्चिम से पूर्व की ओर हैं।**
> - Mnemonic:-"k2 NDA EVM KAN(can)" K-k2 K-kamet N-Nandadevi D-Dhaulagiri A-Annapurna EV-Everest M-Makalu KA-Kanchanjanga N-Namcha barva (कामेट, नंदादेवी, धौलागिरी, अन्नपूर्णा, एवरेस्ट, मकालू, कंचनजंगा, नामचा बरवा)

(iv) असम/पूर्वी हिमालय

- **लम्बाई** -750km
- पश्चिम में **तीस्ता** और पूर्व में **ब्रह्मपुत्र** (दिहांग गोर्ज) के **बीच** स्थित हैं।
- मुख्य रूप से **अरुणाचल प्रदेश** और **भूटान** में स्थित हैं।

- **संकीर्ण अनुदैर्ध्य घाटियाँ** पायी जाती हैं।
- **वर्षा** > 200cms
- **महत्वपूर्ण चोटियाँ -** नामचा बरवा (7756m), कूला कांगरी (7554 m), जोमोल्हारी (7327 m) ।
- **प्रमुख पर्वत -** अक पर्वत, डफला पर्वत, मिरि पर्वत, अबोर पर्वत, मिश्मी पर्वत और नामचा बरवा, पटकाई बूम, मणिपुर पर्वत ब्लू माउंटेन, त्रिपुरा और ब्रेल श्रेणी।
- **प्रमुख दर्रा**
    - बोमडिला, योंग्याप दर्रा, दिफू, पांगसाओ, सेला, दिहांग, देबांग, तुंगा और बोम ला

(v) अरुणाचल हिमालय
- **पूर्वी हिमालय** की **पूर्वी सीमा** बनाता है।
- **नामचा बरवा** - अरुणाचल प्रदेश के पूर्व में।
- हिमालय पर्वतमाला **पश्चिम कामेंग जिले** में **भूटान से अरुणाचल प्रदेश** में प्रवेश करती है।
- **विशेषताएं**:
    - ऊँचे कटक और गहरी घाटियाँ
    - **ऊंचाई** - समुद्र तल से 800 मीटर से 7,000 मीटर।
    - भूटान हिमालय के **पूर्व से विस्तारित** - पूर्व में दीफू दर्रा।
- **ब्रह्मपुत्र** जैसी तेज बहने वाली नदियों **द्वारा विच्छेदित** जो नामचा बरवा को पार करने के बाद एक गहरी घाटी से बहती है।
    - **बारहमासी** - देश में उच्चतम पनबिजली क्षमता।
- **प्रमुख जनजातियाँ-** मोनपा, अबोर, मिश्मी, न्याशी और नागा- झूमिंग कृषि करते हैं।

(vi) पूर्वांचल हिमालय
- भूगर्भीय रूप से **हिमालय का हिस्सा** माना जाता है
- इसमें **संरचनात्मक अंतर** हैं, इसलिए मुख्य हिमालय पर्वतमाला से अलग हैं।
- **ब्रह्मपुत्र** घाटी के **दक्षिण** में स्थित है।
- **अराकान योमा** पर्वत **निर्माण प्रक्रिया** से **संबंधित** हैं।
- ढीली, खंडित **तलछटी चट्टानें** जैसे शेल, मडस्टोन, बलुआ पत्थर, क्वार्टजाइट पायी जाती हैं|
- हिमालय का **सर्वाधिक खंडित भाग**।
- **नागा भ्रंश रेखा** - भूकंप और भूस्खलन वाला क्षेत्र|
- **वर्षा** - 150-200 सेमी
- **घने जंगल** पाए जाते हैं|
- **ऊंचाई** उत्तर से **दक्षिण की ओर घटती** जाती है।
- निचली पहाड़ियाँ में **झूम खेती** प्रचलित है।

- **प्रमुख पहाड़ियाँ:**

डफला पहाड़ी	• **स्थिति** : तेजपुर का उत्तरी भाग और उत्तर लखीमपुर • **पश्चिम** में **आका पहाड़ी** और **पूर्व** में **अबोर श्रेणी** से घिरा है।
अबोर पहाड़ी	• **स्थिति** : भारत के पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश का क्षेत्र, चीन सीमा के पास • **मिश्मी** पहाड़ी और **मिरी** पहाड़ी से घिरा। • ब्रह्मपुत्र की एक सहायक **नदी दिबांग** नदी द्वारा अपवाहित।
मिश्मी पहाड़ी	• **स्थिति**: वृहत हिमालय पर्वतमाला का दक्षिणी विस्तार। • उत्तरी और पूर्वी हिस्से **चीन से सीमा बनाते** हैं।
पटकाई बूम पहाड़ी	• **स्थिति** : भारत की पूर्वोत्तर सीमा (अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के बीच) में पाया जाता हैं| • ताई-अहोम भाषा में -"पटकाई" का अर्थ - "चिकन काटने के लिए" • उन्हीं **विवर्तनिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न** हुआ जिसके परिणामस्वरूप मेसोज़ोइक में हिमालय का निर्माण हुआ। • **शंक्वाकार चोटियाँ**, खड़ी ढलान और गहरी घाटियाँ हैं • हिमालय की तरह **उबड़-खाबड़ नहीं** हैं| • पूरा क्षेत्र **बलुआ पत्थरों** से और **जंगलों से घिरा** हुआ है।
नागा पहाड़ी	• **स्थिति** : म्यांमार में विस्तार; भारत और म्यांमार के बीच विभाजन बनाता है। • **सबसे ऊँची चोटी** - सारामाती। • **भारी मानसूनी वर्षा** और घने जंगल
मणिपुर पहाड़ी	• **स्थिति** : नागालैंड के उत्तर में, मिजोरम के दक्षिण में, पूर्व में ऊपरी म्यांमार और पश्चिम में असम। • **मणिपुर** और **म्यांमार** के बीच में **सीमा** बनाती हैं| • **लोकटक झील -** विश्व का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है। • यहां **केबुल-लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान** स्थित है।
मिज़ो पहाड़ी	• **स्थिति** - दक्षिण-पूर्वी मिजोरम राज्य। • पूर्व में **लुशाई पर्वत के नाम से** जाना जाता था • **सबसे ऊँचा भाग**- नीला पर्वत। • **उत्तरी अराकान योमा प्रणाली** का हिस्सा।

	• **मोलासेस बेसिन** के नाम से भी जाना जाता है - नरम गैर-समेकित निक्षेपो से बना है। • **झूम कृषि** और कुछ जगह **वेदिका कृषि** की जाती हैं।
त्रिपुरा पहाड़ी	• यह **उत्तर-दक्षिण समानांतर वलयित पहाड़ियों** की श्रृंखला है, जिनकी ऊंचाई दक्षिण की ओर घटती जाती है। • **गंगा-ब्रह्मपुत्र तराई (**उर्फ पूर्वी मैदान) में विलय हो जाती हैं।
मिकिर पहाड़ी	• **स्थिति** - काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम के दक्षिण में। • **कार्बी-मेघालय पठार** का हिस्सा। • **मिकिर पहाड़ी-** असम की सबसे पुरानी भू-आकृति। • **अरीय अपवाह प्रणाली** • **प्रमुख नदियाँ**- धनसिरी और जमुना • **सबसे ऊँची चोटी -** दाम्बुचको/ डंबुचको
गारो पहाड़ी	• **स्थिति** : मेघालय राज्य। • **सबसे ऊँची चोटी**: नोकरेक चोटी।
खासी पहाड़ी	• मेघालय में **गारो-खासी श्रेणी** का हिस्सा। • **चेरापूंजी** - पूर्वी खासी पहाड़ी • **सबसे ऊँची चोटी**: लुम शिलॉन्ग
जयंतिया पहाड़ी	• **स्थिति** : खासी पहाड़ियों से पूर्व की ओर
बरेल पहाड़ी	• **स्थिति** : उत्तरी कछार पहाड़ी । • पटकाई श्रेणी का **दक्षिण-पश्चिमी विस्तार** • **दक्षिणी नागालैंड** और **उत्तरी मणिपुर** के कुछ हिस्सों से मेघालय के जयंतिया हिल तक दक्षिण-पश्चिम दिशा में चलती है।
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह **पूर्वी हिमालय** का **विस्तार** है।	

भारत के प्रमुख हिमनद:

हिमनद	**स्थान**	**लंबाई**
सियाचिन	काराकोरम	75 किमी
सासायनी	काराकोरम	68 किमी
हिस्पर	काराकोरम	61 किमी
बियाफो/ बिआफ़ो	काराकोरम	60 किमी
बाल्तोरो	काराकोरम	58 किमी
चोगो लुंग्मा	काराकोरम	50 किमी
ख़ुर्दाप्लो	काराकोरम	47 किमी
रीमो	कश्मीर	40 किमी
पुनमाह	कश्मीर	27 किमी
गंगोत्री	उत्तराखंड	26 किमी
ज़ेमू/ ज़ीमू	सिक्किम/नेपाल	25 किमी
रुपाल	कश्मीर	16 किमी
दमीर	कश्मीर	11 किमी

हिमालय के महत्वपूर्ण दर्रे

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दर्रे:

बनिहाल दर्रा (जवाहर सुरंग)	• जम्मू और कश्मीर में एक **लोकप्रिय** दर्रा। • **पीर-पंजाल श्रेणी** में स्थित है। • **बनिहाल को काजीगुंड से जोड़ता** है।
जोजीला	• श्रीनगर को **कारगिल और लेह से जोड़ता** है। • **सीमा सड़क संगठन**- विशेष रूप से सर्दियों के दौरान सड़क को साफ और रखरखाव करता है।
बुर्जिल दर्रा	• श्रीनगर- **किशन गंगा घाटी**
पेन्सी ला	• **कश्मीर** की घाटी को लद्दाख के **देवसाई मैदानों से जोड़ता** है। • कश्मीर घाटी को **कारगिल से जोड़ता** है। • **वृहद हिमालय** में स्थित है।
पीर-पंजाल दर्रा	• जम्मू से श्रीनगर का **पारंपरिक दर्रा।** • **बंटवारे के बाद बंद** कर दिया गया हैं। • जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए **सबसे छोटा सड़क मार्ग**
काराताघ दर्रा	• **काराकोरम पर्वत** में स्थित है। • **प्राचीन रेशम मार्ग** का सहायक मार्ग।
खारदुंग दर्रा	• देश में **सबसे ऊंचा मोटर वाहन चलने लायक दर्रा**(5602 मीटर)। • **लेह और सियाचिन ग्लेशियरों को जोड़ता** है। • **सर्दियों के दौरान बंद** रहता हैं।
थांग ला	• **लद्दाख को तिब्बत से जोड़ता** है। • भारत में **दूसरा सबसे ऊंचा मोटर वाहन चलने योग्य प**र्वत दर्रा।
अघिल दर्रा	• काराकोरम में **माउंट गॉडविन-ऑस्टेन** के उत्तर में स्थित। • **लद्दाख** को **चीन** के झिंजियांग प्रांत से जोड़ता है।
चांग-ला	• **लद्दाख** को **तिब्बत** से जोड़ता है।
लानक ला	• लद्दाख क्षेत्र में **अक्साई चिन।**

	• **लद्दाख** और **ल्हासा** को जोड़ता है। • चीनी अधिकारियों ने शिनजियांग को तिब्बत से जोड़ने के लिए एक सड़क का निर्माण किया है।
ख़ुंजराब दर्रा	• कश्मीर और चीन • **भारत-चीन सीमा** पर स्थित	
इमिस ला	• लद्दाख • कठिन भौगोलिक भूभाग और खड़ी ढलान। • **सर्दी** के मौसम **में बंद** रहता है।
परपीक ला	• **कश्मीर और चीन** • **मिंटका** के पूर्व में भारत-चीन सीमा पर गुजरता है|
मिंटका दर्रा	• कश्मीर और चीन • **भारत-चीन और अफगानिस्तान** सीमा का त्रि- संयोजन

" MP Khake is Pir for The Queen of Kashmir.
MP: Mintaka Pass and Parpik Pass (मिंटाका दर्रा और पारपिक दर्रा)
- Khunjer: Khunjerab Pass (खुंजेराब दर्रा)
- Ke: Khardung La (खारदुंग ला)
- Pir: Pir-Panjal Pass (पीर-पंजाल दर्रा)
- The: Thang La (थांग ला)
- Queen: Qara Tag La (कारा टैग ला) "

हिमाचल प्रदेश के दर्रे

शिपकला दर्रा / शिपकी ला	• **सतलुज महाखड्ड** से होकर गुजरता है। • **हिमाचल प्रदेश** को **तिब्बत** से जोड़ता है। • चीन के साथ व्यापार के लिए भारत की तीसरी सीमा चौकी (लिपु लेख और नाथुला दर्रा)
बारा लाचा दर्रा	• हिमाचल प्रदेश- लेह-लद्दाख • **जम्मू और कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग** पर स्थित है। • **मनाली और लेह** को जोड़ता है।
देब्सा दर्रा	• **स्पीति और पार्वती घाटी** को जोड़ता है। • हिमाचल प्रदेश के **कुल्लू और स्पीति के बीच** में स्थित	 • पिन-पार्वती दर्रे का **उपमार्ग**
रोहतांग दर्रा	• उच्च सड़क परिवहन • **कुल्लू, स्पीति और लाहौल** को जोड़ता है।

" **Himachal me Rohit Shilpi ko Barana De.**
- Rohit: Rohtang Pass (रोहतांग दर्रा)
- Shilpi: Shipki La (शिपकी ला)
- Barana: Bara Lacha Pass (बारा लाचा दर्रा)
- De: Debsa Pass (देबसा दर्रा) "

उत्तराखंड के दर्रे

लिपुलेख	• **उत्तराखंड** को **तिब्बत** से जोड़ता है। • चीन के साथ **व्यापार के लिए महत्वपूर्ण** सीमा चौकी। • **कैलाश-मानसरोवर के तीर्थयात्री** इसी दर्रे से यात्रा करते हैं।
माना दर्रा	• **वृहद हिमालय** में स्थित है। • **तिब्बत को उत्तराखंड** से जोड़ता है। • सर्दियों के दौरान **छह महीने तक बर्फ के निचे** ढका रहता है।
मंगशा धुरा दर्रा	• **उत्तराखंड-तिब्बत** को जोड़ता है। • **भूस्खलन** के लिए जाना जाता है। • **मानसरोवर के तीर्थयात्री** इस मार्ग को पार करते हैं।
मुलिंग ला	• मौसमी दर्रा • **उत्तराखंड को तिब्बत** से जोड़ता है • सर्दी के मौसम में **बर्फ से ढका** रहता हैं।
नीतिदर्रा	• **उत्तराखंड-तिब्बत** को जोड़ता है। • सर्दी के मौसम में **बर्फ से ढका** रहता हैं।
ट्रेल दर्रा	• **पिंडारी ग्लेशियर** के अंत में स्थित है। • पिंडारी घाटी को मिलम घाटी से जोड़ता है। • खड़ी और ऊबड़-खाबड़ ढाल।

" **Niti Uttar de aur Le Man Mangi Murad**
- Niti: Niti Pass (नीति पास)
- Uttar: Uttrakhand (उत्तराखंड)
- Le: Lipu Lekh (लिपु लेख)
- Man: Mana Pass (मन पास)
- Mangi: Mangsha Dhura (मंगशा धुरा)
- Murad: Muling La (मुलिंग ला) "

सिक्किम के दर्रे

नाथू ला दर्रा	• **भारत-चीन सीमा** पर स्थित है। • **प्राचीन रेशम मार्ग** की एक शाखा का हिस्सा है। • **भारत** और **चीन** के बीच **व्यापारिक सीमा** चौकियों में से एक।
जेलेप ला दर्रा	• **चुम्बी घाटी** से होकर गुजरती है • **सिक्किम** को तिब्बत की राजधानी **ल्हासा से जोड़ता** है।

> **Sikkim ki Jail me Nathuram**
> - **Jail: Jelep La (जेलेप ला)**
> - **Nathuram: Nathu La (नाथू ला)**

अरुणाचल प्रदेश के दर्रे

बोमडिला	• **अरुणाचल प्रदेश**-तिब्बत की राजधानी **ल्हासा** को जोड़ता है। • **भूटान** के **पूर्व** में स्थित है।
दिहांग दर्रा	• अरुणाचल प्रदेश के पूर्वोत्तर में स्थित है। • **अरुणाचल प्रदेश** को **म्यांमार** (मांडले) से जोड़ता है|
दीफू दर्रा	• म्यांमार के लिए एक **आसान और वैकल्पिक मार्ग।** • **परिवहन और व्यापार** के लिए **साल भर खुला** रहता है।
लेखपानी	• परिवहन और व्यापार के लिए साल भर खुला रहता है। • **अरुणाचल प्रदेश** को **म्यांमार** से जोड़ता है।
पंगसौ दर्रा	• **अरुणाचल प्रदेश** को **म्यांमार** से जोड़ता है।
यांग्याप दर्रा	• **तिब्बत** और **अरुणाचल प्रदेश** को जोड़ता है।
कुमजाँग दर्रा	• **अरुणाचल प्रदेश** और **म्यांमार** को जोड़ता है।
हपुंगन दर्रा	• **अरुणाचल प्रदेश** और **म्यांमार** को जोड़ता है।
चाणकण दर्रा	• **अरुणाचल प्रदेश** और **म्यांमार** को जोड़ता है।

> **Arun ne Dipawali ke Din Kum Bomb ChalaYe**
> - **Arun: Arunachal Pradesh (अरुणाचल प्रदेश)**
> - **Dipawali: Dipher Pass (डिफ़र दर्रा)**
> - **Din: Dihang Pass (दिहांग दर्रा)**
> - **Kum: Kumjawng Pass (कुमजाँग दर्रा)**
> - **Bomb: Bom Di La (बॉम डि ला)**
> - **Chala: Chankan Pass (चानकन दर्रा)**
> - **Ye: Yangayap Pass (यांगयाप दर्रा)**

1. उत्तर का विशाल मैदान

- **सिंधु**, गंगा, ब्रह्मपुत्र और उनकी सहायक नदियों के **जलोढ़ निक्षेपों द्वारा निर्मित क्रमिक मैदान।**
  - पश्चिम से पूर्व की ओर लगभग **2400 किमी तक फैला** है।
- **चौड़ाई-** असम में 90-100 किमी , राजमहल (झारखंड) के पास 160 किमी, बिहार में 200 किमी, इलाहाबाद के पास 280 किमी और पंजाब में 500 किमी।
  - पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ता है।
- हिमालय और प्रायद्वीपीय क्षेत्र की नदियों द्वारा लाए गए **जलोढ़ निक्षेप** मुख्य रूप से शामिल हैं।
- **अधिकतम गहराई**> 8000 मीटर - अंबाला, यमुनानगर और जगाधरी (हरियाणा)।
- दक्षिण-पश्चिम में **थार मरुस्थल** तक विस्तार ।
- **दिल्ली कटक** (278 मीटर) का एक निचला जलविभाजन + **यमुना नदी सतलुज के मैदानों** (सिंधु मैदान का एक हिस्सा) को **गंगा** के **मैदानों से अलग** करते है।

विशाल मैदानों के विभाजन

भारत के उत्तरी मैदानों को उत्तर से दक्षिण की ओर **निम्नलिखित भागों में विभाजित** किया जा सकता है:

(i) <u>भाबर</u>

- सिंधु से तिस्ता तक **उल्लेखनीय निरंतरता** के साथ शिवालिक के दक्षिण में ।
- बजरी और मिश्रित तलछट से युक्त **8-16 किमी चौड़ी पट्टी का निर्माण** करता हैं।
- ढलान के अचानक ख़त्म होने के कारण हिमालयी नदियों द्वारा यह अवसाद **अग्रभूमि क्षेत्र में जमा** कर दिया गया।
- हिमालय की नदियाँ अवसाद को **जलोढ़ पंख के रूप में तलहटी में जमा** करती हैं।
- सबसे अनूठी विशेषता - **छिद्रिलता** (porosity)।
  - जलोढ़ पंख में भारी संख्या में **कंकड़ और चट्टान के मलबे** के जमाव के कारण **बंजर या झरझर मैदान** का निर्माण होता हैं ।
  - **कृषि** के लिए **उपयुक्त नहीं** हैं ।

(ii) <u>तराई</u>

- भाबर के दक्षिण में **10-20 किमी चौड़ा दलदली क्षेत्र** - समानांतर फैला हुआ है।
- विशाल मैदानों के पूर्वी भागों में **ब्रह्मपुत्र घाटी** में भारी वर्षा के कारण **व्यापक** |
- भाबर क्षेत्र की **भूमिगत धाराओं का पुनः उदय** होता है|
- अधिकांश **तराई भूमि** (विशेष रूप से पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में) को पुनः प्राप्त कर लिया गया है और समय के साथ **कृषि भूमि में बदल** दिया गया है।
- **उच्च वर्षा** होती है और इसमें **अत्यधिक आर्द्रता** होती है।
- **भूमिगत धाराएँ** हैं → भूमि दलदली होती हैं |
- गेहूं, मक्का, चावल, चावल, गन्ना, आदि के लिए **उपयुक्त।**

(iii) <u>खादर</u>

- कई नदियों के बाढ़ के जलोड़ मैदानों की **नवीन जलोढ़क**।
- (पंजाब में) **बेट भूमि** भी कहा जाता हैं ।
- नदी के किनारे **नए जलोढ़ निक्षेप** पाए जाते हैं।

- **जलोढ़** - हल्के रंग का और निम्न कैल्शियमयुक्त पदार्थ जिसमे रेत, गाद, चीका और मिट्टी के निक्षेप पाए जाते हैं।
    - प्रत्येक वर्ष **नदी बाढ़ द्वारा जमा** किया जाता हैं।
    - गंगा के मैदान में **सबसे उपजाऊ मिट्टी** पायी जाती हैं।
    - इस भाग में **नदियाँ गुम्फित** होती है।
- **व्यापक खेती** के लिए उपयुक्त।
- पंजाब-हरियाणा के मैदानी इलाकों में नदियों में खादर के व्यापक जलोढ़ मैदान हैं, जिन्हें **ध्यास** के नाम से जाना जाता है।

(iv) <u>बांगर या भांगर मैदान</u>

- पुरानी जलोढ़ के निक्षेपण द्वारा निर्मित **जलोढ़ उच्च भूमि** (अपलैंड) हैं।
- मैदानी इलाकों की **बाढ़-सीमा से ऊपर** स्थित है।
- **मुख्य घटक**: चिकनी मिट्टी।
- **ह्यूमस में समृद्ध** - उच्च उपज।
- **कैल्शियम कार्बोनेट नोड्यूल** होते हैं जिन्हें **'कंकर'** के रूप में जाना जाता है - अशुद्ध और दोआब में पाया जाता है।
- **क्षेत्रीय विविधताएं:**
    - **बरिंद का मैदान**- बंगाल का डेल्टा क्षेत्र
    - **भूड/ भूर संरचनाएं** - मध्य गंगा और यमुना दोआब।
    - **'रेह', 'कोल्लर' या 'भूर'** - सुखा क्षेत्र- खारे और क्षारीय प्रवाह के छोटे पथ होते हैं।
        - सिंचाई के विस्तार (केशिका क्रिया - सतह पर लवण का आना) के कारण फैल गया है।

विशाल मैदानों का क्षेत्रीय वर्गीकरण:

(i) <u>सिंध का मैदान</u>

- **पाकिस्तान** में स्थित हैं |
- मुख्य रूप से **भांगर के मैदानों से निर्मित** है।
- ढोर: लंबी संकरी गड्ढों - पूर्व नदियों के मार्ग के अवशेष।
- **ढांड**: कुछ ढोरों पर क्षारीय झीलें।

(a) <u>राजस्थान के मैदान</u>

- **थार रेगिस्तान** का क्षेत्र।
- एक **तरंगित मैदान** (औसत ऊंचाई - समुद्र तल से 325 मीटर ऊपर)।
- **मरुस्थली** के नाम से जाना जाने वाला मरुस्थलीय क्षेत्र; **मारवाड़ के मैदान का एक बड़ा** हिस्सा बनाता है।
- **नाईस, शिस्ट** और **ग्रेनाइट** के कुछ अंश पाए जाते हैं
    - प्रमाणित करता है कि यह भूगर्भीय रूप से **प्रायद्वीपीय पठार का हिस्सा है।**
- **पूर्वी भाग चट्टानी** है जबकि पश्चिमी भाग में स्थानांतरित होने वाले रेत के टीले पाए जाते हैं।
- अरावली श्रृंखला तक थार मरुस्थल का पूर्वी भाग - **राजस्थान बांगर- अर्ध-शुष्क** मैदान।
- अरावली से निकलने वाली **कई छोटी मौसमी धाराओं** द्वारा **शुष्क और उपजाऊ इलाकों** के कुछ हिस्सों में कृषि का कार्य होता हैं।
- **लूनी** - एक महत्वपूर्ण मौसमी धारा जो कच्छ के रण में बहती है।
- लूनी के उत्तर भूभाग में - **थली** या रेतीला मैदान स्थित हैं।

(b) <u>पंजाब का मैदान</u>

- उत्तरी मैदान का पश्चिमी भाग बनाते हैं।
- मुख्य रूप से पाकिस्तान में।
- कई दोआबों में विभाजित (do- "दो" + ab- "पानी या नदी" = "एक क्षेत्र या भूमि के बीच और दो नदियों के संगम तक")।
- सिंधु प्रणाली की 5 महत्वपूर्ण नदियों द्वारा निर्मित।
- इसका शाब्दिक अर्थ है "(पांच जल की भूमि" जिसका अर्थ है: झेलम, चिनाब, रावी, सतलुज और व्यास ।
- कुल क्षेत्रफल - 1.75 लाख वर्ग किमी।
- औसत ऊंचाई - समुद्र तल से 250 मीटर ऊपर।
- पूर्वी सीमा - दिल्ली-अरावली कटक / रिज।
- उत्तरी भाग [शिवालिक पहाड़ियाँ] का चोस (chos) नामक कई धाराओं द्वारा गहन रूप से कटाव हुआ है
- सतलुज नदी के दक्षिण में - पंजाब का मालवा मैदान।
- घग्गर और यमुना नदियों के बीच का क्षेत्र - 'हरियाणा ट्रैक्ट'।
    - यमुना और सतलुज नदियों के बीच जल-विभाजन के रूप में कार्य करता है।

सिंध सागर दोआब	सिंधु और झेलम नदियों के मध्य
जेच/चाज दोआब	झेलम और चिनाब नदियों के मध्य
रचना दोआब	चिनाब और रावी नदियों के मध्य
बारी दोआब	रावी और व्यास नदियों के मध्य
बिस्ट दोआब	व्यास और सतलुज नदियों के मध्य

(ii) <u>गंगा का मैदान</u>

- पश्चिम में यमुना नदी से बांग्लादेश की पश्चिमी सीमाओं (~ 1,400 किमी) तक फैला हुआ है।
- औसत चौड़ाई - 300 किमी।
- अधिकतम ऊँचाई - सहारनपुर (276 मी) - सागर द्वीप समूह (3 मी) की ओर घटती है।

- भारत के महान मैदान की सबसे बड़ी इकाई - दिल्ली से कोलकाता (लगभग 3.75 लाख वर्ग किमी) तक।
- प्रमुख हिमालय नदी- गंगा।
- प्रायद्वीपीय नदियाँ - चंबल, बेतवा, केन, सोन, आदि (गंगा नदी प्रणाली में शामिल - इस मैदान के निर्माण में योगदान)।
- ढाल - पूर्व और दक्षिण पूर्व।
- नदियाँ गंगा के निचले हिस्सों में धीमी गति से बहती हैं, जिसके परिणामस्वरूप तटबंध,रेत के डिब्बे (bluffs), गोखुर झील, दलदल, कन्दराएँ आदि बनते हैं।
- नदियाँ अपना मार्ग बदलती रहती हैं। इसलिए इस क्षेत्र में बार-बार बाढ़ आने की संभावना बनती रहती हैं।
- कोसी नदी- 'बिहार का शोक' कहा जाता हैं |

(iii) <u>ब्रह्मपुत्र/असम का मैदान</u>

- क्षेत्रफल- 56,274 वर्ग किमी
- विशाल मैदान का सबसे पूर्वी भाग
- ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित उच्चयन/ अधिवृद्धि मैदान।
- सदिया (पूर्व में) से धुबरी (पश्चिम में बांग्लादेश सीमा के पास) तक फैला हुआ है।
- माजुली (क्षेत्रफल 929 वर्ग किमी)- विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप।
- विस्तृत दलदली क्षेत्र → तराई या अर्ध-तराई क्षेत्र का निर्माण।

2. तटीय प्रदेश

- क्षेत्र- 7516.6 किमी (मुख्यभूमि तटरेखा 6100 किमी और द्वीप तटरेखा 1197 किमी)।
- राज्य- गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश - दमन और दीव और पुडुचेरी।
- भारत में तटीय मैदान 2 प्रकार के होते हैं:

1. पूर्वी तट

- स्थान: बंगाल की खाड़ी और पूर्वी घाट के बीच में पाया जाता हैं।
- चौड़ाई: 100 - 130 किमी
- गंगा डेल्टा से कन्याकुमारी तक विस्तार ।
- गोदावरी, महानदी, कावेरी और कृष्ण के सुविकसित डेल्टाओं द्वारा चिह्नित।
- महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताएं - चिल्का झील और पुलिकट झील (लैगून) पायी जाती हैं |
- विशाल और सूखा क्षेत्र → जिसके परिणामस्वरूप स्थानांतरित रेत के टीले पाए जाते हैं।
- कृषि के लिए बहुत उपजाऊ।
    - कृष्णा नदी का डेल्टा - दक्षिण भारत का अन्न भंडार।
- **प्रकृति में उद्गामी**
    - महाद्वीपीय शेल्फ समुद्र में 500 किमी तक विस्तारित है, जिससे बंदरगाहों का विकास मुश्किल हो जाता है।

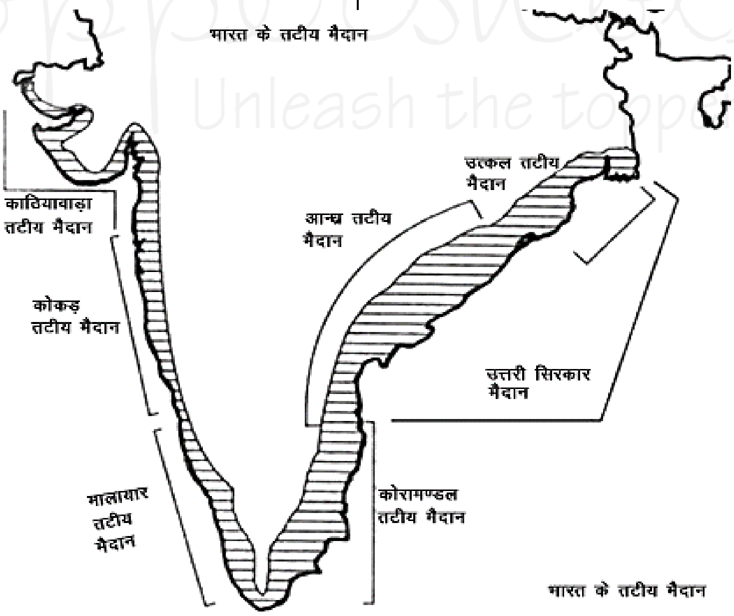

विभाजन

उत्कल तट	• चिल्का और कोल्लेरू झील के बीच में विस्तार • पश्चिमी तटीय मैदानों की तुलना में बहुत व्यापक है। • तीव्र वर्षा।
	• चक्रवातों के प्रति संवेदनशील। • प्रमुख फसलें: चावल, नारियल और केला
उत्तरी सरकार	• महानदी, गोदावरी, और कृष्णा नदियों के बीच स्थित उत्तरी भाग
आंध्र तट	• कोल्लेरू और पुलिकट झील के मध्य।

Toppersnotes Unleash the topper in you

	• कृष्णा और गोदावरी नदियों के लिए एक बेसिन क्षेत्र बनाता है
कोरोमंडल तट या पायन घाट	• तमिलनाडु में पुलिकट झील और कन्याकुमारी के मध्य। • गर्मी में शुष्क रहता है। • शीतकाल में वर्षा प्राप्त करता है।
गोलकुंडा तट	• गोदावरी और कृष्णा नदी के बीच स्थित।

2. पश्चिमी तट

- उत्तर में **खंभात की खाड़ी से केप कोमोरिन** (कन्याकुमारी) तक विस्तार ।
- उत्तर से दक्षिण तक **1600 किमी तक** फैला हुआ है
- **चौड़ाई-** 10 से 25 किमी.
  - बॉम्बे तट पर चौड़ाई सबसे अधिक ।
    - तेल से भरपूर।
- **सीधी तटरेखा।**
- 6 महीने की अवधि में **दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाओं से प्रभावित।**
  - इस प्रकार उनके पूर्वी समकक्ष की तुलना में अधिक नम।
- पूर्वी तट की तुलना में **अधिक दांतेदार।**
  - **बंदरगाहों** के विकास के लिए **प्राकृतिक परिस्थितियाँ** प्रदान करता है।
  - **उदा.-** कांडला, मझगांव, जेएलएन (जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह) या न्हावा शेवा, मरमागाओ, मैंगलोर, कोचीन, आदि।
- बड़ी संख्या में **कंदराएं** (एक बहुत छोटी खाड़ी), **क्रीक** और कुछ **ज्वारनदमुख** इसकी विशेषता हैं।
  - **उदा.** नर्मदा और तापी के मुहाने।
- नदियाँ कोई **डेल्टा नहीं** बनाती हैं।
  - इसके बजाय झरनों की एक श्रृंखला बनती हैं।
- कयाल - अप्रवाही जल या उथले लैगून ; समुद्र तट के समानांतर स्थित हैं।
  - मछली पकड़ने, अंतर्देशीय नेविगेशन और पर्यटन के लिए उपयोग किया जाता है।
  - सबसे बड़ी - वेम्बनाड झील।
- जलमग्न तट।

4 विभाजन

कच्छ और काठियावाड़ तट	• प्रायद्वीपीय पठार का विस्तार o लेकिन **पश्चिमी तटीय मैदानों का हिस्सा** माना जाता है क्योंकि अब ये अपरदित हो गये हैं। • **कच्छ का निर्माण** सिंधु द्वारा गाद के निक्षेपण से हुआ है o मानसून के दौरान उथले पानी से भर जाता हैं o महान कच्छ का रण(उत्तर) और लहू रण (पूर्व) में विभाजित • **काठियावाड़- कच्छ के दक्षिण में।**
कोंकण तट	• दमन (उत्तर) से गोवा (दक्षिण) के मध्य स्थित। • चावल और काजू- **महत्वपूर्ण फसलें।**
कन्नड़ तट	• मर्मगाओ और मैंगलोर के बीच। • **लोहे के भंडार** से भरपूर।
मालाबार तट	• **मैंगलोर से कन्याकुमारी** के बीच। • अपेक्षाकृत **व्यापक।** • दक्षिणी केरल में तट के समानांतर चलने वाले लैगून से मिलकर बना हैं।

3. भारतीय मरुस्थलीय प्रदेश

थार नाम 'थुल' से लिया गया है जो कि इस क्षेत्र में रेत की लकीरों के लिये प्रयुक्त होने वाला एक सामान्य शब्द है।

- इसे महान **भारतीय मरुस्थल/ ग्रेट इंडियन डेजर्ट** भी कहा जाता हैं |
- थार मरुस्थल का लगभग **85%भारत** में पाया जाता हैं।
- शेष भाग **पाकिस्तान** में पाया जाता हैं |
- भारत के कुल **भौगोलिक क्षेत्र का 4.56%** हैं |
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **स्थान: आंशिक** रूप से राजस्थान में और पंजाब और सिंध में पाया जाता हैं |
  - **क्षेत्रफल:>** 2,00,000 वर्ग किमी।
  - **वर्षा** <150 मिमी प्रति वर्ष- कम वनस्पति आवरण के साथ शुष्क जलवायु पायी जाती हैं।
  - **भारत और पाकिस्तान** की सीमा के साथ एक प्राकृतिक सीमा बनाती है।
  - अत्यंतनूतन/ **प्लाइस्टोसिन युग में अस्तित्व** में आया।
  - मरुस्थल की अंतर्निहित शैल संरचना - प्रायद्वीपीय पठार का विस्तार।
  - **प्रमुख रेगिस्तानी भूमि की विशेषताएं -** छत्रक शैल, स्थानांतरित टीले और नखलिस्तान (ज्यादातर इसके दक्षिणी भाग में)पाये जाते हैं।
  - इसे **मरुस्तली/मरुस्थली** (मृत भूमि) और बागड़ प्रदेश भी कहा जाता हैं |
  - वातोढ़ पवन निक्षेपों /ऐओलियन पवन निक्षेप का मिश्रण पाया जाता हैं |
  - शुष्क जलवायु और जलोढ़ निक्षेप पाए जाते हैं |
  - **2 भाग** में विभाजित -
    - **उत्तरी भाग -** सिंध की ओर ढाल
    - **दक्षिणी भाग -** कच्छ के रण की ओर ढाल
  - इस क्षेत्र की अधिकांश **नदियाँ अल्पकालिक** हैं।

- टीलों की ऊंचाई -150 मी हैं।
- रूपांतरित चट्टानें (कायांतरित)
- अरावली से **लघु मौसमी जलधाराओं का निर्माण** होता हैं।
- इसके दक्षिणी भाग में **नखलिस्तान** (विस्तृत मरुस्थल के बीच में स्थित किसी जलाशय के चारों ओर का हरा-भरा क्षेत्र जो वनस्पतिविहीन रेगिस्तानी भूमि पर जल की उपस्थिति के कारण ही संभव हो पाता है।) पाये जाते हैं।
- रेतीले मैदानों और निचली बंजर पहाड़ियों, या भाकरों द्वारा अलग किए गए ऊंचे और निचले टीले पाए जाते हैं जो आसपास के मैदानों से ऊँचे होते हैं।

- **जलवायु**
  - **उपोष्णकटिबंधीय रेगिस्तानी जलवायु -** लगातार उच्च दबाव और अवतलन।
  - गर्मी के मौसम में **दक्षिण पश्चिम मानसून वर्षा।**
  - भारत के अन्य भागों की तुलना में **कम वार्षिक वर्षा** (4-20 इंच) होती हैं
  - सबसे **ठंडा महीना** - जनवरी
  - सबसे **गर्म महीना** - मई और जून।
  - **औसत तापमान -**
    - **ग्रीष्मकाल-** 75-70 डिग्री सेल्सियस
    - **शीतकाल** - 39-50 डिग्री सेल्सियस

4. प्रायद्वीपीय पठार

- आकार में लगभग **त्रिभुजाकार।**
- **विस्तार:**
  - चोटी - कन्याकुमारी में।
  - उत्तर-दिल्ली कटक
  - **पूर्व-** राजमहल की पहाड़ियाँ
  - **पश्चिम-** गिर श्रृंखला
  - **दक्षिण-** इलायची पहाड़ियाँ
- **उत्तर-पूर्व** यानी शिलांग और कार्बी-एंग्लोंग पठार में भी विस्तार देखा गया है।
- **क्षेत्रफल -** 16 लाख वर्ग किमी (संपूर्ण भारत 32 लाख वर्ग किमी है)।
- **ऊँचाई-** समुद्र तल से 600-900 मीटर (प्रत्येक क्षेत्र में भिन्न होती है)।
- अधिकांश नदियाँ **पश्चिम से पूर्व की ओर** बहती हैं जो सामान्य ढाल का संकेत देती हैं।
  - **अपवाद:** नर्मदा-ताप्ती नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं |
- पृथ्वी के **सबसे पुराने और सबसे स्थिर भू-आकृतियों** में से एक।
- अत्यधिक **स्थिर खंड/ ब्लॉक** ज्यादातर **आर्कियन नाईस** और शिस्ट (शैल का प्रकार) से बना है।
- प्रायद्वीपीय भारत अनेक पठारों से मिलकर बना है, जैसे हजारीबाग पठार, पलामू पठार, रांची पठार, मालवा पठार, कोयम्बटूर पठार और कर्नाटक पठार आदि।
- महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताएं: भ्रंशोत्थ/ब्लॉक पर्वत , भ्रंश घाटी, चट्टानी संरचनाएं, आदि जल भंडारण के लिए प्राकृतिक स्थलों का निर्माण करते हैं ।

- **प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ** :

अरावली पर्वत श्रेणी	• सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक हैं। • अवसादी, रूपांतरित चट्टानें पायी जाती हैं। • औसत ऊंचाई- 930 मीटर (1,000 मीटर से भी अधिक ऊँचाई वाली कुछ पहाड़ियाँ पायी जाती हैं।) • वर्तमान में, दिल्ली से अजमेर तक एक असंतत चोटियाँ के रूप में देखा जाता है • सबसे ऊंची चोटी- गुरुशिखर, माउंट आबू (1722 मीटर)। • क्षेत्रीय नाम- उदयपुर के पास 'जर्गा ' और दिल्ली के पास 'दिल्ली श्रृंखला'।

विंध्य पर्वत श्रेणी-	• विंध्याचल पर्वत श्रेणी उत्तर भारत को दक्षिण भारत से अलग करती है।
	• कई उत्तर में बहने वाली नदियों का स्रोत जो यमुना से मिलती हैं।
	• मध्य भारत के जल विभाजन का कार्य करती हैं।
	• **प्रमुख नदी : माही**
	  ○ विंध्य पर्वत श्रृंखला के उत्तरी ढलान में उत्पन्न होती है।
	  ○ पश्चिम की ओर बहती हैं।
	  ○ नर्मदा-सोन घाटी के समानांतर एक ढलान के रूप में बहती हैं |
	• **स्थान:** गुजरात, राजस्थान सीमा से MP, UP, छत्तीसगढ़ ,झारखण्ड|
	• **3 प्रमुख भाग**
	  ○ भरनेर की पहाड़ियाँ
	  ○ कैमूर की पहाड़ियाँ।
	  ○ पारसनाथ की पहाड़ियाँ।
	• **सामान्य ऊंचाई:** 300- 650 मीटर।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

	• अधिकांश भाग प्राचीन काल की **अवसादी चट्टानों से निर्मित** हैं। • गंगा और **प्रायद्वीपीय नदी प्रणालियों के बीच जलविभाजक** का कार्य करती हैं |

सतपुड़ा पर्वत श्रेणी:	• सतपुड़ा भारत के मध्य भाग में स्थित एक पर्वतमाला है।
	• महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश में भ्रंश घाटियों के बीच राजपीपला पहाड़ी,
	• महादेव पहाड़ी एवं मैकाल श्रेणी रूप में पश्चिम से पूर्व की ओर विस्तृत है।
	• मध्य प्रदेश में प्रमुख भाग
	• **3 भाग :-**
	  ○ राजपिपला पहाड़ी,
	  ○ महादेव पहाड़ी
	  ○ मैकाल श्रेणी
	• भारत की **सबसे बड़ी भ्रंश घाटी** वाला एक भ्रंशोत्थ पर्वत / ब्लॉक पर्वत।
	• **प्रमुख नदियाँ:**
	  ○ उत्तर - नर्मदा
	  ○ दक्षिण - ताप्ती
	• **प्रमुख वलन**
	  ○ मैकाल पहाड़ियाँ
	  ○ पचमढ़ी के पास महादेव पहाड़ियाँ
	  ○ कालीभीत
	  ○ असीरगढ़
	  ○ बीजागढ़
	  ○ बड़वानी
	  ○ अरवानी (पूर्वी गुजरात में राजपीपला पहाड़ियों तक फैला हुआ है)।
	• **सबसे ऊंची चोटी-** धूपगढ़ (1,350 मीटर) पचमढ़ी (महादेव पहाड़ियाँ) के पास।
	• **अमरकंटक** (1,127 मीटर) - सबसे ऊंची चोटी - मैकाल पहाड़ियाँ- नर्मदा और सोन की उत्पत्ति।

- **प्रमुख पठार**

मारवाड़ अपलैंड या मेवाड़ पठार	• राजस्थान में अरावली के पूर्व में स्थित • बनास नदी और उसकी सहायक नदियों बेराच नदी, खारी नदियों द्वारा उकेरा गया एक सपाट मैदान। • औसत ऊंचाई - समुद्र तल से 250-500 मीटर। • विंध्य काल के बलुआ पत्थर, शैल और चूना पत्थर से बना है।
मध्य भारत पठार	• मारवाड़ अपलैंड के पूर्व। • केंद्रीय उच्च भूमि भी कहते हैं | • प्रमुख नदी- चंबल। ○ अन्य -काली-सिंध, बनास और पार्वती।

मालवा का पठार	• मध्य प्रदेश ,अरावली और विन्ध्याचल के बीच में स्थित है।
	• काली मिट्टी-व्यापक लावा प्रवाह से निर्मित |
	• भारत की काली कपास मिट्टी का निर्माण विदर ज्वालामुखी चट्टान के अपक्षय के कारण हुआ है
	  ○ अरावली श्रेणी - पश्चिम
	  ○ नर्मदा नदी - दक्षिणी सीमा बनाती हैं।
	  ○ बुंदेलखंड - पूर्व
	• पश्चिम-अरावली श्रेणी
	• उत्तर-मध्य भारत पठार
	• 2 जल प्रवाह प्रणाली:
	  ○ अरब सागर -नर्मदा, ताप्ति और माही
	  ○ बंगाल की खाड़ी -चंबल और बेतवा, यमुना

बुंदेलखंड का पठार	• उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के पूर्वोत्तर में स्थित हैं। • यहाँ गहन अपरदन, अर्ध-शुष्क जलवायु पायी जाती हैं जो खेती के लिए अनुपयुक्त हैं।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

	• 'बुंदेलखंड नाईस ' की गहरी घाटी के ऊपरी इलाकों से विभाजित, जिसमें ग्रेनाइट और गनीस शामिल हैं।
	• सीमाएं:
	  ○ उत्तर-यमुना नदी
	  ○ पश्चिम-मध्य भारत का पठार.
	  ○ पूर्व-विंध्य स्कार्पलैंड्स
	  ○ दक्षिण और दक्षिण -पूर्व में मालवा का पठार।
	• औसत ऊंचाई- समुद्र तल से 300-600 मीटर
	• विंध्य सीधी ढाल /स्कार्प से यमुना नदी की ओर ढलान।
	• विशेषता -अधिक पुरानी स्थलाकृतियाँ ।
	• नदियाँ: बेतवा, धसान और केन।

बघेलखंड पठार	• मैकाल श्रेणी के उत्तर से पूर्व की ओर स्थित है। • विस्तार -यूपी, एमपी और छत्तीसगढ़ में | • पश्चिम में चूना पत्थर ,बलुआ पत्थर और पूर्व में ग्रेनाइट से बना है। • गंगा बेसिन को महानदी बेसिन से अलग करती है। • उत्तर में सोन नदी से घिरा। ○ रिहंद बांध और गोविंद बल्लभ पंत सागर जलाशय (भारत की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील)। • धारवाड़ और गोंडवाना चट्टानें शामिल हैं। • प्रमुख कोयला क्षेत्र- सोहागपुर और शहडोल कोयला क्षेत्र • सामान्य ऊंचाई: 150 मीटर से 1,200 मीटर| • मध्य खंड सोन जल निकासी प्रणाली (उत्तर) और महानदी नदी प्रणाली (दक्षिण) के बीच जल विभाजन के रूप में कार्य करता है

छोटा नागपुर का पठार	• प्रायद्वीपीय पठार का उत्तर-पूर्वी भाग।
	• मुख्य रूप से गोंडवाना चट्टानों से बना है।
	• औसत ऊंचाई: समुद्र तल से 600 से 700 मीटर।
	• उप-पठार की एक श्रृंखला से मिलकर बनता है जिसे पाट भूमि खनिज समृद्ध पठार भी कहा जाता हैं।
	• भारत का रुर प्रदेश भी कहा जाता हैं।
	• प्रमुख नदियाँ:
	• उत्तर-पश्चिम-सोन, दामोदर, सुवर्णरेखा, उत्तर कोयल दक्षिण कोयल और बराकर।
	  ○ दामोदर- पश्चिम से पूर्व की ओर भ्रंश घाटी से होकर बहती है।
	• गोंडवाना कोयला क्षेत्र (भारत में सबसे अधिक कोयला आपूर्ति) पाये जाते हैं।
	• उत्तर पूर्वी -राजमहल पहाड़ियाँ
	  ○ लावा प्रवाह (बेसाल्टिक) से आच्छादित।
	  ○ उत्तर-दक्षिण दिशा में फैला हैं |
	  ○ औसत ऊँचाई - 400 मीटर|

काठियावाड़ का पठार	• गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र में स्थित हैं | • इसमें कई नलिका जैसे ज्वालामुखी छिद्र हैं जो कई पहाड़ी श्रेणीओं को जन्म देते हैं जैसे गिरनार श्रेणी, जूनागढ़ श्रेणी, पावागढ़ श्रेणी आदि। • नाल सरोवर झील (पक्षी अभयारण्य) - पूर्वोत्तर सीमा। • उत्तर - लघु रण • ज्वालामुखीय पहाड़ियाँ- मांडव पहाड़ियाँ और बलदा पहाड़ियाँ। • उच्चतम बिंदु: माउंट गिरनार।

दक्कन का पठार

- आकार में **त्रिकोणीय** हैं।
- **सीमाएँ:-**
  - **उत्तर-पश्चिम** में सतपुड़ा और विंध्य पर्वत श्रेणी
  - उत्तर में महादेव और मैकल पर्वत श्रेणी
  - **पश्चिम** में पश्चिमी घाट
  - **पूर्व** में पूर्वी घाट
- **औसत ऊंचाई** - 600 मीटर।
- **दक्षिण** में **1000 मीटर तक ऊँचा** है, लेकिन उत्तर में **500 मीटर तक कम** हो जाता है।
- **ढाल** - पश्चिम से पूर्व की ओर (नदियों के प्रवाह से प्रमाणित)।